शिवजी की चली है बारात | By Kamal Kishore Kavi

शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों
के रल मिल नाचो भक्तों
के रल मिल नाचो भक्तों
गौरा से होगी मुलाकात
मैया गौरा से होगी मुलाक़ात
के रल मिल नाचो भक्तों
शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों

बैल पे चढ़के भोला आया
देखो कैसा रूप बनाया
शूकर शनि को लेके साथ
के रल मिल नाचो भक्तों
शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों

शिव ने तन पे भस्म रमाया
बूढा बाबा बन के आया
लीला करे है भोलेनाथ
के रल मिल नाचो भक्तों
शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों

बैठा भांग को लावे घोटा
भर भर के वो पीवे लौटा
खावे ना दाल और भात
के रल मिल नाचो भक्तों
शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों

शिव की बातें शिव ही जाने
कर्मा कवि तो हैं अनजाने
जाने ना भेद की बात
के रल मिल नाचो भक्तों
शिवजी की चली है बारात
के रल मिल नाचो भक्तों

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-by-kamal-kishore-kavi/